साक्षात्कार JM फाइनेंशियल म्यूचुअल फंड के प्रबंध निदेशक अमिताभ मोहंती की 'नवभारत' से बातचीत

शेयर बाजार में गिरावट निवेश का सही वक्त, SIP उत्तम

■ विष्णु भारद्वाज @ नवभारत.

मुंबई. म्यूचुअल फंड हाउस भारतीय शेयर बाजार के एक प्रमुख स्तंभ बन गए हैं. इसका प्रमाण है अक्टूबर 2024 में विदेशी संस्थागत निवेशकों (FII) की 1 ट्रिलियन रुपये की रिकॉर्ड बिकवाली के बावजूद बेंचमार्क सेंसेक्स का सिर्फ 8% ही गिरना. भारतीय निवेशकों के बढ़ते निवेश से म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री का प्रबंधन कोष (AUM) 68 ट्रिलियन रुपये पहुंच गया है. 5 दशक पुराने वित्तीय समूह जेएम फाइनेंशियल ग्रुप के फंड हाउस जेएम फाइनेंशियल म्यूचुअल फंड के प्रबंध निदेशक **अमिताभ मोहंती** ने 'नवभारत' से बातचीत में कहा कि इंडियन इकोनॉमी और इंडियन मार्केट का आउटलुक काफी अच्छा है और लॉन्ग टर्म में वेल्थ बनाने के लिए मौजूदा गिरावट निवेश का अच्छा अवसर है. निवेश गुरु अमिताभ मोहंती के कुशल नेतृत्व में विगत 4 वर्षों में फंड हाउस ने अपने निवेशकों को शानदार रिटर्न प्रदान करते हुए तेज प्रगति की है. इस दौरान जेएम के निवेशक खाते 1.35 लाख से बढ़कर 7 लाख से अधिक हो गए और इक्विटी स्कीमों का प्रबंधन कोष 580 करोड़ से करीब 17 गुना बढ़कर 9700 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है. पेश हैं बातचीत के मुख्य अंशः-

JM FINANCIAL
MUTUAL FUND

इस साल शेयर बेंचमार्क नई ऊंचाइयों पर पहुंचे, लेकिन पिछले एक माह से FII की भारी सेलिंग के चलते बाजार में गिरावट देखी जा रही है. क्या इकोनॉमी को लेकर कोई चिंता है?

ऐसा है कि कोविड महामारी के बाद से बाजार में एक तरह से इकतरफा रैली चली है. इसलिए किसी न किसी स्तर पर तो ब्रेक लगना ही था. प्रॉफिट बुकिंग होनी ही थी और अब विदेशी निवेशक भारत में ऊंचे मूल्यों पर प्रॉफिट बुकिंग कर रहे हैं. इसके अलावा, वैल्यूएशन काफी एग्रेसिव हो गए थे. कॉर्पोरेट अर्निंग ग्रोथ भी स्लो होने लगी है. इन सब फैक्टर को देखते हुए बाजार एक-दो तिमाही थोड़ा दबाव में रह सकता है. यानी शॉर्ट टर्म में कंसोलिडेट होने की संभावना है, लेकिन इंडियन इकोनॉमी और इंडियन मार्केट का लॉन्ग टर्म व्यू काफी अच्छा है. इसलिए कोई चिंता की बात नहीं है. अपना देश आज काफी सुदृढ़ स्थिति में है और भविष्य भी काफी आशाजनक लग रहा है, जो कि मूलभूत बदलाव के कारण है. इंफ्रास्ट्रक्चर विकास तेजी से हो रहा है. बैंकिंग सेक्टर काफी मजबूत स्थिति में आ गया है. कॉर्पोरेट इंडिया के डेब्ट काफी कम हो गए हैं और बैलेंश शीट काफी मजबूत हुई हैं. डिजिटल इकोसिस्टम में इंडिया सबसे अच्छा कर रहा है. कुल मिलाकर तमाम फैक्टर पॉजिटिव हैं और मीडियम टू लॉन्ग टर्म आउटलुक काफी अच्छा है. निचले स्तरों पर भारतीय निवेशकों का मजबूत समर्थन मिल रहा है. बाजार में अधिक दिन तक गिरावट की आशंका नहीं है. हमें यकीन है कि जैसे ही वैल्यूएशन आकर्षक होंगे, विदेशी निवेशक फिर अपना निवेश बढ़ाना शुरू कर देंगे. क्योंकि दुनिया में जितनी अच्छी स्थिति भारत की है, वैसी किसी अन्य बड़े देश की नहीं है. इसलिए रिटेल इन्वेस्टर को विचलित नहीं होना चाहिए.

बैंकों में डिपॉजिट ग्रोथ कम हो गयी है और म्यूचुअल फंड स्कीमों में हर माह निवेश तेजी से बढ़ रहा है. इसका मुख्य कारण क्या है?

इसका सबसे बड़ा कारण है इक्विटी निवेश के प्रति बढ़ती अवेयरनेस. भारतीय निवेशक अब जागरूक हो गए हैं. वे जान गए हैं कि लॉन्ग टर्म में वेल्थ बनाने और अपने वित्तीय लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए इक्विटी फंड सबसे श्रेष्ठ माध्यम हैं. इसलिए मंथली एसआईपी निवेश लगातार बढ़ते 24,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है. पिछले 3 वर्षों में निवेशक खाते 10 करोड़ से बढ़कर 21 करोड़ से अधिक हो गए हैं. इंडस्ट्री का एयूएम भी दोगुना होकर 68 ट्रिलियन के पार हो गया है.

अगले 5 साल में 125 ट्रिलियन हो जाएगा म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री का प्रबंधन कोष

जैसे-जैसे इंडिया की ग्रोथ तेज होगी, लोगों की सेविंग भी बढ़ेगी और इक्विटी में इन्वेस्टमेंट और तेजी से बढ़ेगा. वर्तमान में यह 6-7% भी नहीं पहुंचा है. यह जल्द 10% से अधिक होने के आसार हैं. अब तो देश के छोटे-छोटे शहरों से भी इक्विटी म्यूचुअल फंडों में निवेश आने लगा है. हमें उम्मीद है कि अगले 5 साल में इंडस्ट्री का एयूएम दोगुना होकर 125 ट्रिलियन रुपये तक पहुंच सकता है, जो अभी 68 ट्रिलियन रुपये है.

गिरावट के वक्त रिटेल इन्वेस्टर को क्या नीति अपनानी चाहिए?

ऐसे गिरावट के वक्त, रिटेल इन्वेस्टर को मार्केट में ट्रेडिंग बिलकुल नहीं करनी चाहिए. जितना जोखिम सहन कर सकें, उतनी ही पोजिशन रखे. स्पेक्युलेटिव एक्सपोजर कतई ना रखे. जो इन्वेस्टर म्यूचुअल फंड स्कीमों के जरिए बाजार में निवेश कर रहे हैं, उनके लिए एक साथ निवेश करने की बजाय अनुशासित तरीके से निवेश करना ज्यादा सही होगा. वे या तो एसआईपी (SIP) करते रहे या हर गिरावट में थोड़ा-थोड़ा निवेश करें. ऐसे वक्त में ही एसआईपी का असली फायदा मिलता है. लोग तेजी में तो खूब निवेश करते हैं, लेकिन मंदी में रोक देते हैं. जबकि गिरावट के वक्त किया हुआ निवेश ही लॉन्ग टर्म में अच्छी वेल्थ बनाता है. बाजार गिरेगा तो उठेगा भी अवश्य.

जेएम फाइनेंशियल म्यूचुअल फंड ने विगत वर्षों में निवेशकों को बढ़िया रिटर्न देते हुए अच्छी प्रगति की है. आप इस सफलता के क्या कारण मानते हैं?

जेएम में, हम मानते हैं कि हर निवेशक को हमेशा उसकी जरूरत और जोखिम क्षमता अनुसार सही सलाह और सही मार्गदर्शन दिया जाना चाहिए क्योंकि निवेशक की वेल्थ बनेगी तो ही वे खुश होंगे और तभी हम सस्टेनबल ग्रोथ कर सकेंगे. हम हमारी सभी फंड स्कीम में रिस्क मैनेजमेंट और कंसिस्टेंट परफॉर्मेंस पर अधिक फोकस करते हैं. हम गहन रिसर्च के साथ लो डेब्ट, लो पीईजी (प्राइस अर्निंग ग्रोथ) रेशियो, गुड मैनजमेंट वाले क्वालिटी स्टॉक्स में ही निवेश करते हैं. यही हमारी सफलता का राज है.